27

कथन व तर्क (Statement & Argument)

इस प्रकार के प्रश्न तर्क के आधार पर होते हैं इसमें तर्क की प्रकार के अनुसार ही उत्तर दिया जाता है इसमें एक सशक्त तर्क और दूसरा कमजोर तर्क होता है जिसके अन्दर से सशक्त तर्क हो ही छांटना होता है और कमजोर तर्क होने से उत्तर गलत भी हो सकता है इसलिए उत्तर देने के लिए सशक्त तर्क ही छांटना होता है।

इसे और अच्छी तरह से समझने के लिए उदाहरण दिये है निम्न उदाहरण को धयानपूर्वक पढ़ें -

निर्देश – (प्रश्न 1 – 5) महत्वपूर्ण प्रश्नों के बारे में निर्णय लेते समय यह वांछित है कि हमें सशक्त और कमजोर तर्कों के बीच अन्तर कर पाने में, जहाँ तक कि वे प्रश्न से सम्बन्धित हैं, सक्षम होना चाहिए। सशक्त तर्क महत्वपूर्ण होने के साथ-ही-साथ प्रश्न से सीधे सम्बन्धित नहीं होंगे और हो सकता है कि वे प्रश्न के गैर जरूरी पक्षों से जुड़े हों या कम महत्व के हों। नीचे दिए गए प्रत्येक प्रश्न में दो तर्क दिए गए हैं जिन्हें I और II क्रमांक दिया गया है। आपको यह तय करना है कि कौनसा तर्क 'सशक्त तर्क' है और कौनसा 'कमजोर'।

उत्तर (a) दीजिए, केवल तर्क I सशक्त हो।
उत्तर (b) दीजिए, केवल तर्क II सशक्त हो।
उत्तर (c) दीजिए, अगर या तो I या II सशक्त हो।
उत्तर (d) दीजिए, अगर न तो I ही और न ही II सशक्त हो।
उत्तर (e) दीजिए, यदि I और II दोनों ही सशक्त हों।

1. क्या वर्तमान शिक्षा प्रणाली में बदलाव किया जाना चाहिए ?
तर्क : I. हाँ, ऐसा करने से ही देश की प्रगति सम्भव है।
II. हाँ, अत्यंत विकसित देश यही नीति अपनाते हैं।

2. क्या प्रत्येक माता-पिता को अपने बच्चों के दिलों में कर्त्तव्यनिष्ठ बनने के गुणों को संचरित किया जाना चाहिए ?
तर्क : I. हाँ, समय से आबद्ध रहने वाले व्यक्ति सदा सुखकारी होते हैं।
II. हाँ, बच्चों के इस गुण के कारण देश की प्रगति में चार चाँद लगना लाजिमी है।

3. क्या प्रत्येक उपभोक्ता को बिजली के उपभोग पर ध्यान देना चाहिए
तर्क : I. हाँ, बिजली के दुरुपयोग के लिए यह अत्यन्त जरूरी हो गया है।
II. हाँ, इसके लिए विद्युत कानून में संशोधन जरूरी हो गया है।

4. क्या भ्रष्टाचार से सम्बन्ध रखने वाले की नागरिकता समाप्त कर देनी चाहिए ?
तर्क : I. हाँ, कुछ प्रबुद्धजनों की यही राय है।
II. नहीं, यह समान नागरिक कानून संहिता का उल्लंघन होगा।

5. क्या डेयरी मालिकों को दुग्ध के उत्पादन पर ध्यान देना चाहिए ?
तर्क : I. हाँ, इसके दुग्ध अत्यन्त लाभकारी होते हैं।
II. नहीं, सामान्य तरीकों से प्राप्त दुग्ध इसकी तुलना में उच्च कोटि के हुआ करते हैं।

व्याख्या सहित उत्तर

1. (d) तर्क I को ठोस नहीं कहा जा सकता है, क्योंकि यह जरूरी नहीं है कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली में बदलाव कर देने से ही देश की प्रगति हो सकती है। साथ-ही-साथ तर्क II भी ठोस नहीं है, क्योंकि इसके अन्तर्गत किसी दूसरे के द्वारा किए गए कार्य की ही नकल करने की बात कही गई है।
2. (b) तर्क I को ठोस कहा जाना उचित नहीं है, क्योंकि उनका प्रश्न से पूर्णत: सम्बन्ध नहीं दिख रहा है। परन्तु तर्क II ठोस है, क्योंकि अगर देश के सभी बच्चे कर्तव्यनिष्ठ हो जाएं, तो अन्तत: उस देश की विकास की गति का प्रसार होना स्वाभाविक ही है।
3. (a) तर्क I ठोस है, क्योंकि प्रश्न की अवधारणाओं से उसकी सम्पुष्टि हो जाती है, परन्तु तर्क II को ठोस कहा जाना उचित नहीं है, क्योंकि इसका प्रश्न से अस्पष्ट सम्बन्ध झलक रहा है।
4. (b) तर्क I को ठोस नहीं कहा जा सकता है, क्योंकि कुछ लोगों की राय के आधाार पर कानूनी फैसला लेना न्यायोचित नहीं है, परन्तु तर्क II ठोस है कारण कि ऐसा करने से नागरिक आचार संहिता दुष्परिणाम देखने को मिलेगा जो देश की जनसंख्या पर स्पष्ट रूप से प्रभाव डालेगा।
5. (d) तर्क I ठोस नहीं है, क्योंकि प्रश्न से यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि डेयरी के दुग्ध लाभकारी होते हैं या नहीं, साथ-ही-साथ तर्क II भी ठोस नहीं है, क्योंकि यह भी प्रश्न से पूर्णत: सम्बन्धित नहीं है।

प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्न

निर्देश – (प्रश्न 1-5) जहाँ तक प्रश्नों का सम्बन्ध है महत्वपूर्ण प्रश्नों पर निर्णय करने के लिए यह आवश्यक है कि आप 'मजबूत तर्क' और 'कमजोर तर्क' के मध्य फर्क करने में सक्षम हैं। 'मजबूत तर्क' प्रश्न से सीधा सम्बन्धित और महत्वपूर्ण दोनों ही होने चाहिए। 'कमजोर तर्क' प्रश्न से सीधे सम्बन्धित नहीं हो सकते और कम महत्वपूर्ण हैं या प्रश्न के नगण्य पक्ष से सम्बन्धिात हो सकते हैं। नीचे दिए गए प्रत्येक प्रश्न के साथ दो तर्क (I) और (II) दिए गए हैं। आपको यह निश्चित करना है कि कौनसा 'मजबूत तर्क' है और कौनसा 'कमजोर तर्क' है।

उत्तर (a) दीजिए, **केवल तर्क I** मजबूत हो।
उत्तर (b) दीजिए, **केवल तर्क II** मजबूत हो।
उत्तर (c) दीजिए, यदि **या तर्क I या II** मजबूत तर्क हो।

उत्तर (d) दीजिए, **न तो I ही और न ही II** मजबूत तर्क हो।

उत्तर (e) दीजिए, **यदि I और II दोनों** ही मजबूत तर्क हों।

1. क्या सनसनी खेज समाचार-पत्रों को प्रतिबन्धित होना चाहिए?

तर्क : I. नहीं, इस तरह की बेवकूफी के कार्य आखिर सोचे भी कैसे जा सकते हैं?

II. हाँ, कोई परेशानी नहीं, हमारे पास कई अच्छे समाचार-पत्र हैं।

2. क्या सभी प्रकार के पाठ्यक्रम पत्रचार द्वारा प्रदत्त होने चाहिए?

तर्क : I. हाँ, नियमित पाठ्यक्रम में सीमित सीट हैं और जो पाठ्यक्रम में रुचि रखते हें उन्हे आगे पढ़ने का अवसर दिया जाना चाहिए।

II. नहीं, शिक्षक और शिष्य के बीच की अन्तर्क्रिया विकास के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण है।

3. क्या सार्वजनिक अवकाशों की संख्या कम करनी चाहिए?

तर्क : I. नहीं, इससे गुहार और शोर गुल होने लगेगा।

II. हाँ, जितनी जल्दी हो सके उतनी जल्दी करनी चाहिए।

4. क्या सभी शालाएँ सहशिक्षा वाली बनाई जानी चाहिए ?

तर्क : I. हाँ, अन्यथा हम लड़कियों की शिक्षा प्रोत्साहित कैसे करेंगें और अधिक लड़कियों को सहशिक्षा शालाओं में पंजीयन कराना चाहिए।

II. नहीं, हमारे जैसे रूढ़िवादी समाज में अभिभावकों में सहशिक्षा के विरूद्ध कई प्रतिबन्ध होते हैं और यह लड़कियों की शिक्षा में बाधक हो सकते हैं।

5. क्या विद्यार्थियों पर शैक्षणिक संस्थाओं में यूनियन के क्रियाकलापों में भाग लेने को प्रतिबन्धित करना चाहिए?

तर्क : I. हाँ, विद्यार्थी पढ़ने के लिए प्रवेश लेते हैं। यूनियन के क्रियाकलाप में लिप्त होने के लिए नहीं।

II. नहीं, वे विद्यार्थी जिनको पढ़ाई में रुचि नहीं है उन्हे अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए कुछ अवसर मिलने चाहिए।

6. क्या भारत में मतदान के लिए आयु बढ़ाकर 21 वर्ष कर देनीं चाहिए।

तर्क : I. नहीं, किसी प्रचलन को बदलना मुश्किल है।

II. हाँ, उस उम्र तक लोगों में जिम्मेदारी की भावना और उच्चस्तरीय परिपक्वता विकसित हो जाती है।

7. क्या भारत में व्यावसायिक पाठयक्रमों में खुली किताब परीक्षा प्रणाली आरम्भ होनी चाहिए।

तर्क : I. नहीं, इससे वर्तमान परीक्षा प्रणाली के महत्व और मूल्यों में काई गम्भीर उन्नति नहीं होगी।

II. हाँ, सभी विद्यार्थी आसानी से पास हो जायेगें और अपना व्यावसायिक जीवन प्रारम्भ कर सकेंगे।

8. क्या सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े समूहों/जातियों के लिए प्राइवेट सेक्टर में भी आरक्षण व्यवस्था शुरु करनी चाहिए।

तर्क : I. नहीं, विश्व में कहीं भी यह प्रचलन लागू नहीं है।

II. हाँ, यह इस समूह/जाति को विकास की ओर अधिक अवसर प्रदान करेगा।

9. क्या स्कूल के अध्यापकों द्वारा प्राइवेट ट्यूशन करने पर प्रतिबंध लगाना चाहिए ?

तर्क : I. हाँ, केवल तभी स्कूल में पढ़ाई की गुणवत्ता में उन्नति होगी।

II. हाँ, आजकल अध्यापकों का वेतन युक्ति संगत है।

10. क्या बच्चों को न्यायिक रूप से यह जिम्मेदारी सौंपनी चाहिए कि वे अपने माँ बाप की बुढ़ापे में देखभाल करें?

तर्क : I. हाँ, इस तरह के मसले केवल कानूनी रूप से हल किये जा सकते हैं।

II. नहीं, केवल यही गरीब माँ-बाप को थोड़ी राहत दे सकता है।

11. क्या खिलाड़ियों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

तर्क : I. नहीं, ऐसा करना नागरिक कानून संहिता के प्रति अपमान जनक कार्य होगा।

II. हाँ, खिलाड़ियों की स्वास्थ्यता के कारण ही खेल क्षेत्र में देश की प्रगति सम्भव हो सकती है।

12. क्या गर्मी के दिनों में तरलीय भोजन पर ध्यान दिया जाना चाहिए

तर्क : I. हाँ, सभी कलाकारों का ध्यान इस समय इस ओर अत्यधिक होता है।

II. हाँ, इस प्रकार के भोजन शरीर में पानी की कमी की पूर्ति करते है। जो कि मनुष्य के लिए लाभकारी होता है।

13. क्या केबल नेटवर्क धारकों को केबल के माध्यम से ब्लू फिल्में नहीं दिखानी चाहिए ?

तर्क : I. हाँ, ऐसा करने से विशेषकर बच्चों के क्रियाकलापों में सुधार आ सकता है।

II. हाँ कुछ देश ऐसा करने में अपनी रूची जाहिर कर चुकें हैं।

14. क्या पेड़ों को काटने पर प्रतिबन्ध लगा देना चाहिए।

तर्क : I. नहीं, ऐसा करने में फर्नीचर व्यवसाय को बड़ा धक्का लगेगा।

II. हाँ, इससे हमें सुन्दरतम् वातावरण का अवलोकन करने को मिलेगा।

15. क्या प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों को यौन सम्बन्धी शिक्षा दी जानी चाहिए।

तर्क : I. नहीं, यह बच्चों की प्रगति में बाधक हो सकता है।

II. हाँ, बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए उन्हें हर तरह की शिक्षा दी जानी चाहिए।

16. क्या महिलाओं को चुनावों में 33% आरक्षण मिलना चाहिए।

तर्क : I. नहीं, इससे उनके बच्चे और परीवार पर खराब असर पड़ता है क्योकि इनकी जिम्मेदारी मुख्य रूप से महिलाओं पर है।

II. हाँ, इससे महिलाओं के स्तर में सुधाार होगा।

17. क्या बच्चों को स्कूलों में दाखिले की न्यूनतम आयु सीमा पाँच वर्ष कर देनी चाहिए।

तर्क : I. हाँ, बच्चे पांच वर्ष की उम्र में ही पढ़नें के लायक हो पाते हैं।

II. हाँ, मनोवैज्ञानिकों के अनुसार पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए पढ़ाई एक बोझ बन सकती है।

18. क्या मंत्रियों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता निर्धारित की जानी चाहिए ?

तर्क : I. क्यों नहीं? क्योंकि जब दूसरे पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता अनिवार्य हैं।

II. हाँ, आज विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र में इतनी वृद्धि हो जाने से महत्वपूर्ण पदों पर बैठे लोगों के लिए पढ़ा-लिखा होना जरुरी हो गया है।

19. क्या महिलाओं को घर के कामों के बदले वेतन मिलना चाहिए ?

तर्क : I. हाँ, इससे महिलाओं का शोषण बन्द होगा।

II. हाँ, जबकि बाकी सभी कामों के लिए पारिश्रमिक दिया जाता है तो इस काम के लिए भी मिलना चाहिए।

20. क्या भारत में पटाखों में पूर्णतया प्रतिबन्ध होना चाहिए।

तर्क : I. नहीं, यह हजारों श्रमिकों को बेरोजगार कर देगा।

II. हाँ, पटाखा निर्माता बड़े पैमाने पर बाल श्रमिकों का इस्तेमाल करते हैं।

21. क्या सभी परास्नातक पाठयक्रम/कोर्स में शिक्षण शुल्क में कही बढ़ोतरी कर देनी चाहिए ?

तर्क : I. हाँ, यह छात्रों में कुछ गम्भीरता का बोध पैदा करेगा और उनकी गुणवत्ता बढ़ेगी।

II. नहीं, यह प्रतिभाशाली गरीब छात्रों को परास्नातक कोर्स से दूर रहने को बाध्य करेगा।

व्याख्या सहित उत्तर

1. (a) तर्क I मजबूत है क्योंकि सनसनीखेज समाचारों से कोई राष्ट्रीय क्षति नहीं होती है अत: इस सम्बन्धा में सोचना बेवकूफी है।
2. (d) दोनों तर्क कमजोर हैं क्योंकि कुछ पाठ्यक्रम में शिक्षक का रहना आवश्यक है और विकास का लिए शिक्षक और शिष्य सम्बंधा ही आवयश्क नहीं है।
3. (d) तर्क- I कमजोर है क्योंकि गुहार एंव शोरगुल से सरकार को डरना नहीं चाहिए। तथा तर्क- II भी कमजोर है क्योंकि इसमें भी तर्क नहीं दर्शाया गया है।
4. (d) तर्क- I कमजोर है क्योंकि सह शिक्षा जरूरी भी नहीं है क्योंकि लड़कियों को अलग से भी पढ़ाया जा सकता है। तर्क- II भी कमजोर है क्योंकि इस युग में लड़कियों की सह-शिक्षा के लिए अभिभावक रूढ़ीवादी नहीं बल्कि आधुनिक हैं।
5. (d) (d) दोनों तर्क कमजोर हैं क्योंकि शैक्षणिक संस्थाओं में पढ़ाई रूचिकर एंव विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के लिए करवाई जाती है।
6. (b) (d) तर्क- I कमजोर है क्योंकि संविधान संशोधन कर जनोपयोगी नियम बनाया जा सकता है तथा तर्क- II भी कमजोर है क्योंकि केवल 21 वर्ष होने पर ही लोगों में जिम्मेदारी की भावना का उच्च स्तरीय परिपक्वता विकसित होना आवश्यक नहीं है। संविधान अनुसार 18 वर्ष की आयु के युवा को पहले से बालिग माना गया है।
7. (d) तर्क- I कमजोर है क्योंकि खुली किताब परीक्षा से परीक्षा प्रणाली का महत्व घटता है और तर्क- II भी कमजोर है क्योंकि व्यावसायिक जीवन आरम्भ करने के लिए परीक्षा पास करना ही आवश्यक नहीं है।
8. (b) तर्क- I कमजोर है क्योंकि हमें अन्य देशों की नकल नहीं करनी चाहिए तथा तर्क- II प्रबल है क्योंकि सरकार ने पहले ही इस समूह/जाति के विकास के लिए आरक्षण दिया हुआ है। अत: निजी क्षेत्र में भी आरक्षण दिया जाये तो विकास के और अधिक अवसर मिलेंगे।
9. (e) दोनों तर्क ठोस हैं क्योंकि टयूशन का प्रलोभन हटने के बाद अध्यापक विद्यालय में ही अपनी पूर्ण क्षमता से तैयारी करवायेगा तथा अध्यापकों का वेतन भी युक्ति संगत है अर्थात अधिक रूपये कमाने की आशा से टयूशन करना गलत है।
10. (b) तर्क- I कमजोर है एंव II ठोस है क्योंकि नियम बनाकर ऐसे मामलों को पूर्ण हल नहीं किया जा सकता केवल थोड़ी राहत जरूर मिल सकती है।
11. (b) तर्क I को ठोस कहा जाना उचित नहीं है क्योंकि इसका स्पष्ट सम्बन्ध प्रश्न से नहीं है परन्तु तर्क II को ठोस कहा जा सकता है क्योंकि प्रश्न के विशेष प्रभाव इसमें झलक रहे हैं।
12. (b) मात्र एक संवर्ग के लोगों की भावनाओं के आधाार पर कार्य करना, नकल ही तो है। अत: इसी कारण तर्क I ठोस नहीं है परन्तु तर्क II को ठोस कहा जा सकता है क्योंकि इसमें प्रश्न के स्पष्ट परलिक्षित प्रभाव की झलक देखने को मिल रही है।
13. (d) तर्क I ठोस नहीं है क्योंकि यह जरूरी नहीं है कि केवल धारकों द्वारा ब्लू फिल्मों को न दिखाए जाने के बाद बच्चों के क्रियाकलाप में बदलाव आ ही जाए साथ ही साथ तर्क II भी ठोस नहीं है क्योंकि इसके अन्तर्गत किसी दूसरे देश के समान कार्य करनें की बात कही गयी है।
14. (d) दोनों तर्क कमजोर है क्योंकि फर्नीचर के लिए है, पेडों का काटा जाना आवश्यक भी है तथा सुन्दर वातावरण बनाने के लिए भी पेड़ों की कटाई रोकना आवयश्क नहीं है। सुन्दरता की बजाय अगर यहां जीवन के लिए आवश्यक शब्द होते तो यह तर्क मजबूत होता।
15. (b) तर्क I का प्रभाव प्रश्न की अवधारणा हेतु निश्चित रूप से सत्य नहीं लगता है इसी कारण यह ठोस नहीं है परन्तु तर्क II ठोस है क्योंकि इसके स्पष्ट तथ्य प्रश्न से सीधे सम्बन्ध रखने वाले हैं।
16. (b) तर्क- I कमजोर है क्योंकि केवल महिलाओं का ही यह कार्य नहीं है कि वह परिवार एंव बच्चों की देखभाल करें। तर्क- II प्रबल है क्योंकि 33% आरक्षण महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार होगा।
17. (b) तर्क- I ठोस नहीं है क्योंकि यह जरूरी नहीं है कि बच्चे 5 वर्ष की उम्र में ही पढ़ने के लायक हों क्योंकि इससे कम या ज्यादा उम्र में भी पढ़ने के लायक हो सकते है। तर्क- II ठोस है क्योंकि मनोवैज्ञानिक तौर पर बच्चे 5 वर्ष की कम आयु में परिपक्व नहीं हो पाते जिससे वे पढ़ाई को बोझ समझते है।
18. (d) चुने हुये पदों को शैक्षिक योग्यता से नहीं जोड़ा जाना चाहिए क्योंकि बचपन में समान शिक्षा के अवसर मिले हो यह आवश्यक नहीं है तथा मंत्री की सहायता के लिए उसके सचिव पढ़े लिखे होते है।
19. (d) दोनों तर्क कमजोर है क्योंकि महिलाओं का शोषण बन्द केवल वेतन मिलने से ही नहीं हो सकता तथा घर के काम निजी काम होते हैं जिनका वेतन नहीं होता है।
20. (a) दोनों तर्क कमजोर हैं क्योंकि पटाखों के कारखानों के बन्द होने से हुए बेराजगारों को दूसरे कारखानों में समायोजित किया जा सकता है तथा कोई ऐसा स्पष्ट संकेत नहीं है कि पटाखा उधाोगों में ही बाल श्रमिक कार्यरत हैं।
21. (b) केवल फीस अधिक होने से ही गम्भीरता नहीं होती है, अमीर व्यक्ति का बेटा पैसे की उपयोगिता समझता है यह आवश्यक नहीं है तथा तर्क II अपने आप में सशक्त है।